(6) What are the different theory of punishment? Among them which theory do you consider to be acceptable and why?

उत्तर — दण्ड के विभिन्न सिद्धान्त निम्नलिखित हैं जो कि निम्नवत है।

B.A = III
PHILOSOPHY (H)

Ans — Nsm (G) Unit 3 Punishment

दण्ड का अर्थ व परिभाषा — दण्ड शब्द अंग्रेजी शब्द Punishment का हिन्दी रूपान्तर है। Punishment शब्द लैटिन शब्द Punire से बना है जिसका अर्थ है Punishment of the wrongdoer. दण्ड का अर्थ है अपराधी को उसके किये गये अपराध के लिए कष्ट देना। दण्ड की परिभाषा देते हुए विद्वानों ने कहा है कि दण्ड अपराधी को उसके अपराध के लिए दिया जाने वाला कष्ट है। दण्ड की परिभाषा देते हुए विद्वानों ने कहा है कि दण्ड अपराधी को उसके अपराध के लिए दिया जाने वाला कष्ट है।

प्रश्न 1 — प्रकाशन का अर्थ

प्रकाशन का अर्थ है किसी पुस्तक, पत्रिका, समाचार पत्र या अन्य सामग्री को छापकर या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराना। प्रकाशन में लेखक, प्रकाशक, मुद्रक, वितरक और पुस्तकालय की भूमिका होती है। प्रकाशन का उद्देश्य ज्ञान का प्रसार, शिक्षा, मनोरंजन और सूचना देना होता है।

प्रश्न 2 — पुस्तकालय का अर्थ

पुस्तकालय वह संस्था है जहाँ पुस्तकें, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, पाण्डुलिपियाँ और अन्य सामग्री को व्यवस्थित रूप से संग्रहित किया जाता है और पाठकों को पढ़ने या अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाता है। पुस्तकालय का उद्देश्य ज्ञान का संरक्षण, प्रसार और शिक्षा को बढ़ावा देना होता है।

प्रश्न 3 — पुस्तकालय का अर्थ

पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ पुस्तकें, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, पाण्डुलिपियाँ और अन्य सामग्री को व्यवस्थित रूप से संग्रहित किया जाता है और पाठकों को पढ़ने या अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाता है। पुस्तकालय का उद्देश्य ज्ञान का संरक्षण, प्रसार और शिक्षा को बढ़ावा देना होता है।

प्रश्न 4 — पुस्तकालय का अर्थ

पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ पुस्तकें, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, पाण्डुलिपियाँ और अन्य सामग्री को व्यवस्थित रूप से संग्रहित किया जाता है और पाठकों को पढ़ने या अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाता है। पुस्तकालय का उद्देश्य ज्ञान का संरक्षण, प्रसार और शिक्षा को बढ़ावा देना होता है।

प्रश्न 5 — पुस्तकालय का अर्थ

पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ पुस्तकें, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, पाण्डुलिपियाँ और अन्य सामग्री को व्यवस्थित रूप से संग्रहित किया जाता है और पाठकों को पढ़ने या अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाता है। पुस्तकालय का उद्देश्य ज्ञान का संरक्षण, प्रसार और शिक्षा को बढ़ावा देना होता है।

प्रश्न 6 — पुस्तकालय का अर्थ

पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ पुस्तकें, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, पाण्डुलिपियाँ और अन्य सामग्री को व्यवस्थित रूप से संग्रहित किया जाता है और पाठकों को पढ़ने या अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाता है। पुस्तकालय का उद्देश्य ज्ञान का संरक्षण, प्रसार और शिक्षा को बढ़ावा देना होता है।

प्रश्न 7 — पुस्तकालय का अर्थ

पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ पुस्तकें, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, पाण्डुलिपियाँ और अन्य सामग्री को व्यवस्थित रूप से संग्रहित किया जाता है और पाठकों को पढ़ने या अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाता है। पुस्तकालय का उद्देश्य ज्ञान का संरक्षण, प्रसार और शिक्षा को बढ़ावा देना होता है।

प्रश्न 8 — पुस्तकालय का अर्थ

पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ पुस्तकें, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, पाण्डुलिपियाँ और अन्य सामग्री को व्यवस्थित रूप से संग्रहित किया जाता है और पाठकों को पढ़ने या अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाता है। पुस्तकालय का उद्देश्य ज्ञान का संरक्षण, प्रसार और शिक्षा को बढ़ावा देना होता है।

प्रश्न 9 — पुस्तकालय का अर्थ

पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ पुस्तकें, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, पाण्डुलिपियाँ और अन्य सामग्री को व्यवस्थित रूप से संग्रहित किया जाता है और पाठकों को पढ़ने या अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाता है। पुस्तकालय का उद्देश्य ज्ञान का संरक्षण, प्रसार और शिक्षा को बढ़ावा देना होता है।

प्रश्न 10 — पुस्तकालय का अर्थ

पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ पुस्तकें, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, पाण्डुलिपियाँ और अन्य सामग्री को व्यवस्थित रूप से संग्रहित किया जाता है और पाठकों को पढ़ने या अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाता है। पुस्तकालय का उद्देश्य ज्ञान का संरक्षण, प्रसार और शिक्षा को बढ़ावा देना होता है।

प्रश्न 1 — मुद्रा का अर्थ, परिभाषा, कार्य, महत्व एवं समस्याएँ

मुद्रा का अर्थ

मुद्रा (Money) वह वस्तु है जो विनिमय के माध्यम के रूप में स्वीकार की जाती है। यह वस्तु विनिमय की कठिनाइयों को दूर करती है और लेन-देन को सरल बनाती है। मुद्रा को किसी भी वस्तु या सेवा के बदले में दिया जाता है।

मुद्रा की परिभाषा

प्रो. हॉट्रे के अनुसार — "मुद्रा वह है जो मुद्रा का कार्य करती है।"

प्रो. क्राउथर के अनुसार — "मुद्रा वह वस्तु है जो विनिमय, मूल्य का मापदण्ड तथा मूल्य संचय का कार्य करती है।"

प्रो. मार्शल के अनुसार — "मुद्रा में वे सभी वस्तुएँ सम्मिलित हैं जो बिना किसी शंका के तुरन्त विनिमय के माध्यम के रूप में स्वीकार की जाती हैं।"

प्रो. सैलिगमैन के अनुसार — "मुद्रा वह है जो किसी भी ऋण का भुगतान करने के लिए स्वीकार की जाती है।"

मुद्रा के कार्य

मुद्रा के कार्य को दो भागों में बाँटा जाता है — प्राथमिक कार्य और गौण कार्य।

प्राथमिक कार्य

1. विनिमय का माध्यम — मुद्रा का सबसे प्रमुख कार्य है। यह वस्तु विनिमय की कठिनाइयों को दूर करती है।
2. मूल्य का मापदण्ड — मुद्रा सभी वस्तुओं के मूल्य को मापने का एक समान पैमाना है।

गौण कार्य

1. स्थगित भुगतान का मान — मुद्रा भविष्य के भुगतानों का आधार है।
2. मूल्य संचय — मुद्रा को भविष्य के लिए संचित किया जा सकता है।
3. हस्तान्तरण — मुद्रा एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से हस्तान्तरित की जा सकती है।

मुद्रा की समस्याएँ

1. मुद्रा स्फीति — मुद्रा की पूर्ति बढ़ने से कीमतें बढ़ती हैं।
2. मुद्रा संकुचन — मुद्रा की पूर्ति घटने से कीमतें घटती हैं।
3. काला धन — मुद्रा का उपयोग काले धन के रूप में होता है।
4. मुद्रा का अवमूल्यन — मुद्रा का मूल्य घटने से आयात महँगे हो जाते हैं।

प्रश्न 2 — बैंक का अर्थ, परिभाषा, कार्य एवं महत्व

बैंक का अर्थ

बैंक वह संस्था है जो जनता से धन एकत्र करती है और उसे ऋण देती है। बैंक ऋण देने और लेने का कार्य करते हैं।

बैंक की परिभाषा

प्रो. हॉट्रे के अनुसार — "बैंक वह व्यक्ति है जो ऋण देने का व्यवसाय करता है।"

प्रो. क्राउथर के अनुसार — "बैंक वह संस्था है जो ऋण देने और लेने का कार्य करती है।"

बैंक के कार्य

प्राथमिक कार्य

1. जमा स्वीकार करना — बैंक जनता से धन एकत्र करते हैं।
2. ऋण देना — बैंक एकत्र धन को ऋण के रूप में देते हैं।

गौण कार्य

1. एजेन्सी कार्य — बैंक ग्राहकों के एजेन्ट के रूप में कार्य करते हैं।
2. उपयोगिता कार्य — बैंक ग्राहकों को अनेक सुविधाएँ देते हैं।

बैंक का महत्व

बैंक व्यापार, उद्योग और कृषि के विकास में सहायक हैं। बैंक बचत को प्रोत्साहित करते हैं और पूँजी निर्माण में सहायता करते हैं।

हुए हैं। उनका व्यापार एवं धन
मजबूत होता है। वे अपने परिवार
की देखभाल करते हैं। आपको
आपके भाई-बहनों से लाभ होगा।
आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।
आपको पेट संबंधी समस्या हो
सकती है। आपको व्यापार में
लाभ होगा। आपके पिता आपकी
मदद करेंगे। आपको अपने
भाई-बहनों से लाभ होगा।
आपको पेट संबंधी समस्या हो
सकती है। आपको व्यापार में
लाभ होगा। आपके पिता आपकी
मदद करेंगे। आपको अपने
भाई-बहनों से लाभ होगा।

मकर राशि के जातकों के लिए

मकर राशि के जातकों के लिए
आज का दिन मिश्रित फल देने
वाला है। आपको अपने स्वास्थ्य
का ध्यान रखना होगा। आपको
पेट संबंधी समस्या हो सकती है।
आपको व्यापार में लाभ होगा।
आपके पिता आपकी मदद करेंगे।
आपको अपने भाई-बहनों से लाभ
होगा। आपको पेट संबंधी समस्या
हो सकती है। आपको व्यापार में
लाभ होगा। आपके पिता आपकी
मदद करेंगे। आपको अपने
भाई-बहनों से लाभ होगा।

प्रश्न-III

(अनुशासन तथा समाज) का पाठ्यक्रम बताइए तथा अनुशासन तथा समाज के अध्ययन का महत्व बताइए।

(5)

उत्तर :

अनुशासन तथा समाज का पाठ्यक्रम निम्नलिखित है :

1. अनुशासन का अर्थ, परिभाषा, प्रकार, अनुशासन के सिद्धान्त, अनुशासन के तत्व, अनुशासन के प्रकार, अनुशासन के उद्देश्य, अनुशासन के साधन